Daily Current Affairs

Date : 25 February, 2026

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	वन्यजीव हेल्पलाइन नंबर 1926
2.	केमिस्ट्री के 'रेकॉर्ड मैन' बने प्रो. वर्मा
3.	'प्रोजेक्ट गीता'
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. शरत कविराज जोधपुर के नये पुलिस आयुक्त नियुक्त
5.	भारत की पहली आतंकवाद-रोधी नीति 'प्रहार' (PRAHAAR)
6.	चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (1878–1972)
7.	राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन 2.0 (NMP 2.0)
8.	उचित दंड का सिद्धांत (Principle of Just Deserts)
9.	प्रधान-मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना
10.	भारत और फ्रांस: दोहरे कराधान परिहार अभिसमय (Double Taxation Avoidance Convention: DTAC)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

वन्यजीव हेल्पलाइन नंबर 1926

चर्चा में क्यों?

- वन विभाग ने प्रदेश में वन्यजीव हेल्पलाइन नंबर 1926 शुरू किया है, जो 24 घंटे सक्रिय रहेगा। इस हेल्पलाइन के माध्यम से लोग घायल, फंसे हुए, या आबादी क्षेत्र में घुस आए वन्यजीवों की तुरंत सूचना दे सकते हैं।

मुख्य बिन्दु:

1. **24 घंटे सक्रिय हेल्पलाइन**
   - प्रदेशभर में वन्यजीव हेल्पलाइन 1926 शुरू की गई है, जिससे लोग घायल या परेशान वन्यजीवों की सूचना दे सकते हैं।
   - इस हेल्पलाइन पर औसतन 12 से अधिक रेस्क्यू कॉल रोजाना दर्ज हो रहे हैं।
2. **रेपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन**
   - बाघ-मानव संघर्ष की रोकथाम के लिए धौलपुर, करौली और सवाईमाधोपुर में रैपिड रिस्पॉन्स टीम गठित की जाएगी।
   - इन टीमों को आवश्यक उपकरणों से लैस किया जाएगा और प्रत्येक टीम पर 90 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।
3. **वन सुरक्षा को मजबूत बनाना**
   - इस वित्तीय वर्ष में 460 बाइक और 202 वाहन रेंज अधिकारियों को उपलब्ध कराए जाएंगे।
   - रेंजर्स और वनपालों को हथियार जैसे ग्लोव पिस्टल और एसएलआर राइफल दी जाएंगी, जिससे वन अपराधों पर कार्रवाई की जा सकेगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

केमिस्ट्री के 'रेकॉर्ड मैन' बने प्रो. वर्मा

चर्चा में क्यों?

- प्रो. सुरेश कुमार वर्मा ने रसायन विज्ञान में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) को 50 बार उत्तीर्ण करके नया रिकॉर्ड बनाया है। वे ऑल इंडिया में 14 बार पहली रैंक हासिल करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं।

मुख्य बिन्दु:

1. GATE में 25 बार सफलता

- प्रो. वर्मा ने इंजीनियरिंग में स्नातक योग्यता परीक्षा (GATE) को 25 बार उत्तीर्ण किया है, जिनमें 3 बार उन्होंने ऑल इंडिया में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

2. अंतरराष्ट्रीय ख्याति और किताबें

- उनकी ऑर्गेनिक केमिस्ट्री पर चार किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं, और 19 रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं।
- उनका नाम बुक ऑफ रेकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में दर्ज है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'प्रोजेक्ट गीता'

चर्चा में क्यों?

- **आईआईटी जोधपुर ने दृष्टिबाधित और मूक-बधिर बच्चों के लिए 'प्रोजेक्ट गीता' नामक एक अनूठी तकनीकी पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य इन बच्चों को डिजिटल रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इस प्रोजेक्ट के तहत स्मार्ट इंस्ट्रूमेंट्स और होलोग्राम आधारित तकनीक विकसित की जा रही है, जो शिक्षा और अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोलेंगे।**

मुख्य बिन्दु:

1. **प्रोजेक्ट गीता: नई तकनीकी पहल**
   - **'गीता: ज्ञान इन द एयर' के तहत आईआईटी जोधपुर, जिला परिषद और समाज कल्याण विभाग मिलकर दृष्टिबाधित और मूक-बधिर बच्चों के लिए नई तकनीक विकसित कर रहे हैं।**
   - **प्रमुख डिवाइस 'नाम्या' मोबाइल फोन जैसे फ्लेक्सिबल बैंड के रूप में काम करेगा, जिससे बच्चे पढ़ाई करने के साथ-साथ कंप्यूटर स्क्रीन पर नेविगेट कर सकेंगे।**
2. **मूक-बधिर बच्चों के लिए साइन लैंग्वेज सीखने का मौका**
   - **होलोग्राम आधारित तकनीक के जरिए मूक-बधिर बच्चे वर्चुअल रूप से साइन लैंग्वेज सीख सकेंगे, जिससे पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों की तुलना में यह अधिक प्रभावी होगा।**
3. **नई डिवाइसों का परीक्षण**
   - **प्रोजेक्ट के तहत विकसित 'नाम्या', 'वाणी' और 'हैप्टिक ग्लव्स' जैसी डिवाइसों का परीक्षण हाल ही में नेत्रहीन विकास संस्थान में किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित और मूक-बधिर छात्रों के साथ इन उपकरणों का प्रयोग किया गया।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**शरत कविराज जोधपुर के नये पुलिस आयुक्त नियुक्त** ■ राजस्थान के पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर तबादले किए गए हैं। इनमें जयपुर, जोधपुर और बीकानेर के रेंज इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) शामिल हैं। ■ आईजी स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) शरत कविराज को जोधपुर का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। ■ जोधपुर के निवर्तमान पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश को जयपुर का विशेष पुलिस आयुक्त बनाया गया है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

भारत की पहली आतंकवाद-रोधी नीति 'प्रहार' (PRAHAAR)

चर्चा में क्यों?

- गृह मंत्रालय ने भारत की नई राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति 'प्रहार' (PRAHAAR) का अनावरण किया है।

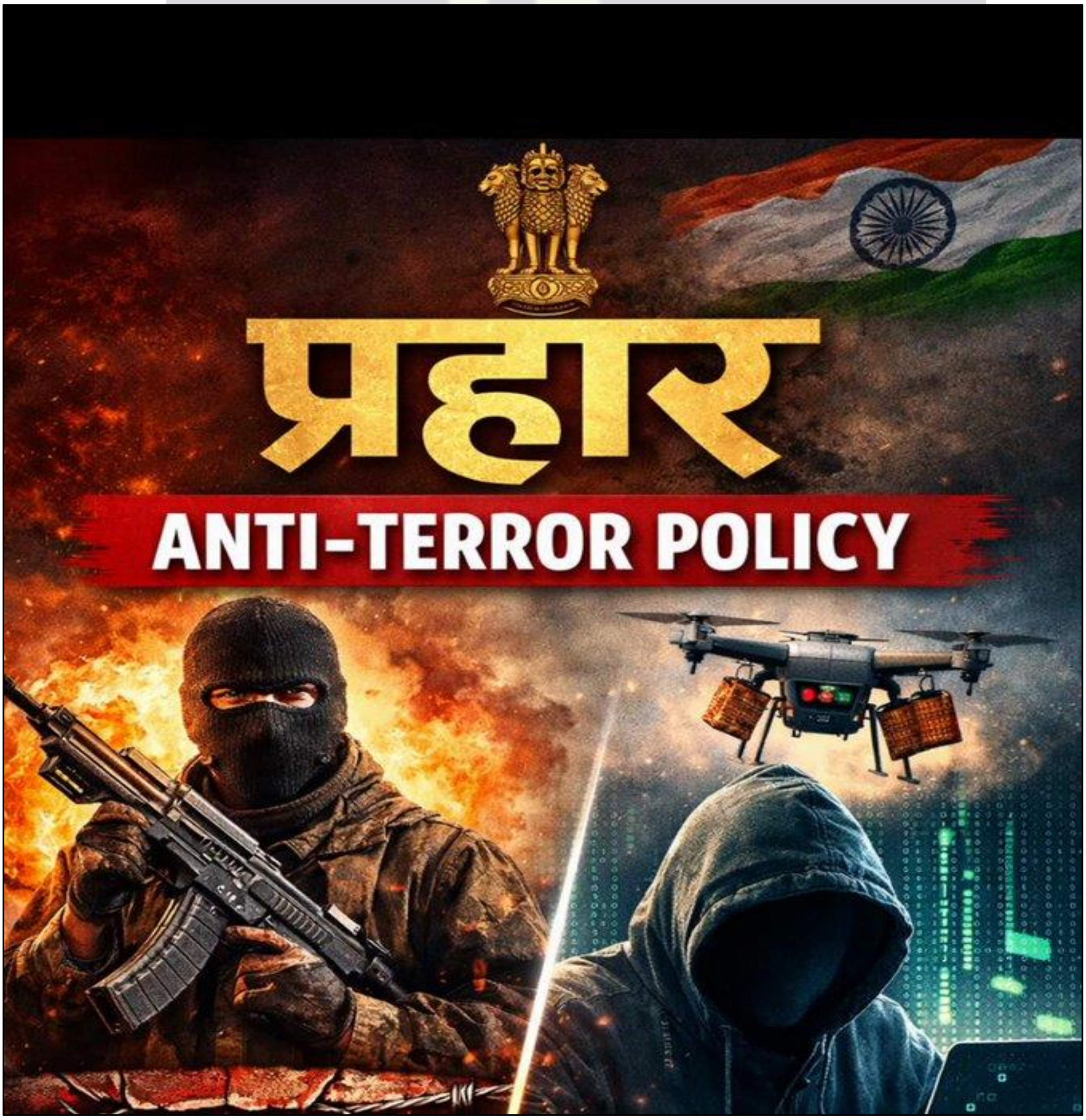

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- यह आतंकवाद के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता' की सैद्धांतिक नीति पर आधारित है।

प्रहार (PRAHAAR) रणनीति के मुख्य स्तंभ

- **आतंकवादी हमलों की रोकथाम:** वास्तविक समय (रियल-टाइम) में सूचना साझा करने के लिए मल्टी एजेंसी सेंटर और आसूचना पर संयुक्त कार्य बल के माध्यम से एक सक्रिय व खुफिया-निर्देशित दृष्टिकोण अपनाना।
- **प्रतिक्रिया:** स्थानीय पुलिस 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता' के रूप में कार्य करेगी, जिन्हें राज्य/केंद्रीय आतंकवाद-रोधी बलों और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड का समर्थन प्राप्त होगा।
- राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) और राज्य एजेंसियाँ गहन जाँच एवं उच्च दोषसिद्धि दर सुनिश्चित करेंगी, ताकि अपराधियों में भय उत्पन्न हो।
- **क्षमताओं का एकत्रीकरण:** कानून प्रवर्तन एजेंसियों का आधुनिकीकरण और सभी राज्यों में समान आतंकवाद-रोधी संरचनाओं का मानकीकरण किया जाएगा।
- **मानवाधिकार और विधि के शासन पर आधारित प्रक्रियाएँ:** रणनीति इस पर जोर देती है कि सभी आतंकवाद-रोधी कानूनों को मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। साथ ही, जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक कानूनी निवारण के स्तर प्रदान करने चाहिए।
- **आतंकवाद के अनुकूल परिस्थितियों को कम करना:** भटके युवाओं के लिए श्रेणीबद्ध पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, कट्टरपंथ के खिलाफ सामुदायिक नेताओं, गैर-सरकारी संगठनों और उदार धर्मगुरुओं को शामिल किया जाएगा।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को आकार देना:** पारस्परिक विधिक सहायता संधियों और प्रत्यर्पण संधियों के माध्यम से बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को समाप्त किया जाएगा और आतंकवाद के वित्त-पोषण पर रोक लगाई जाएगी।
- **समाज के सामूहिक प्रयास से बहाली और लचीलापन:** किसी भी घटना के बाद तेजी से सुधार और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को अपनाया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (1878–1972)

चर्चा में क्यों?

- भारत की राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा एडविन लुटियंस की प्रतिमा की जगह प्रतिस्थापित की गई है।

मुख्य बिन्दु:

- इस तरह यह कदम औपनिवेशिक काल के प्रतीकों को हटाने के प्रयासों के तहत उठाया गया है।
- एडविन लुटियंस एक प्रसिद्ध ब्रिटिश वास्तुकार थे। उन्होंने नई दिल्ली के बड़े हिस्से का डिज़ाइन किया।
- **उनके प्रमुख निर्माण:** राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट, नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक।
- राष्ट्रपति भवन का डिज़ाइन उन्होंने हर्बर्ट बेकर के सहयोग से किया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी

- **जन्म:** 10 दिसंबर 1878, तमिलनाडु के थोरापल्ली
- **लोकप्रिय नाम:** राजाजी।

प्रमुख योगदान:

- रॉलेट एक्ट के विरोध, असहयोग आंदोलन, वाइकोम सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की।
- 1930 में नमक कानून तोड़ने हेतु वेदारण्यम मार्च का नेतृत्व किया।
- विभाजन से पहले हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक गतिरोध सुलझाने के लिए "सी.आर. फॉर्मूला" का प्रस्ताव किया।
- मद्रास से संविधान सभा के सदस्य चुने गए।
- पश्चिम बंगाल के राज्यपाल (1947–48) और भारत के गवर्नर जनरल (1948–50) रहे।
- स्वतंत्र पार्टी की स्थापना की।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन 2.0 (NMP 2.0)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन 2.0 (एनएमपी 2.0) शुरू की है , जिसका लक्ष्य 2025-26 से 2029-30 की अवधि में परिसंपत्ति मुद्रीकरण के माध्यम से ₹16.72 लाख करोड़ जुटाना है।

मुख्य बिन्दु:

- परिसंपत्ति मुद्रीकरण का अर्थ सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव डाले बिना, राजस्व उत्पन्न करने के लिए मौजूदा या कम उपयोग की गई अवसंरचनात्मक परिसंपत्तियों का लाभ उठाना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

NMP 2.0 की मुख्य विशेषताएँ

- **उद्देश्य:** यह लोक परिसंपत्तियों के स्वामियों के लिए एक मध्यम अवधि का रोडमैप प्रदान करती है। साथ ही, निजी क्षेत्रक को संभावित परिसंपत्तियों के बारे में स्पष्टता उपलब्ध कराती है।
- **कुल मुद्रीकरण क्षमता:** 5 वर्षों (वित्त वर्ष 2026-वित्त वर्ष 2030) के दौरान 12 क्षेत्रकों से संबंधित ₹16.72 लाख करोड़ अनुमानित है। इसमें ₹5.8 लाख करोड़ का निजी क्षेत्रक द्वारा निवेश भी शामिल है।
- **प्रमुख क्षेत्रक:** राजमार्ग (मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क/MMLPs व रोप-वे सहित) (26%), विद्युत (17%), रेलवे (16%), बंदरगाह (16%), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, नागर विमानन, भंडारण और वेयरहाउसिंग, शहरी अवसंरचना, कोयला, खदान, दूरसंचार और पर्यटन।
- **राजस्व का वितरण:** NMP 2.0 के तहत प्राप्त राशि का सबसे बड़ा हिस्सा भारत की संचित निधि में जाएगा।

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन-1.0 (NMP 1.0)

- वित्त वर्ष 2022 से वित्त वर्ष 2025 तक ₹6 लाख करोड़ का कुल मुद्रीकरण लक्ष्य रखा गया था।
- वर्तमान में, इसने अपने लक्ष्य का लगभग 90% हासिल कर लिया है।
- **क्षेत्रक (13):** राजमार्ग, रेलवे, विद्युत, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और दूरसंचार कुल लक्ष्य का 72% हिस्सा थे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

उचित दंड का सिद्धांत (Principle of Just Deserts)

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि "उचित दंड (Just Deserts)" के सिद्धांत का पालन करना न्यायालयों की प्राथमिक जिम्मेदारी हैं।

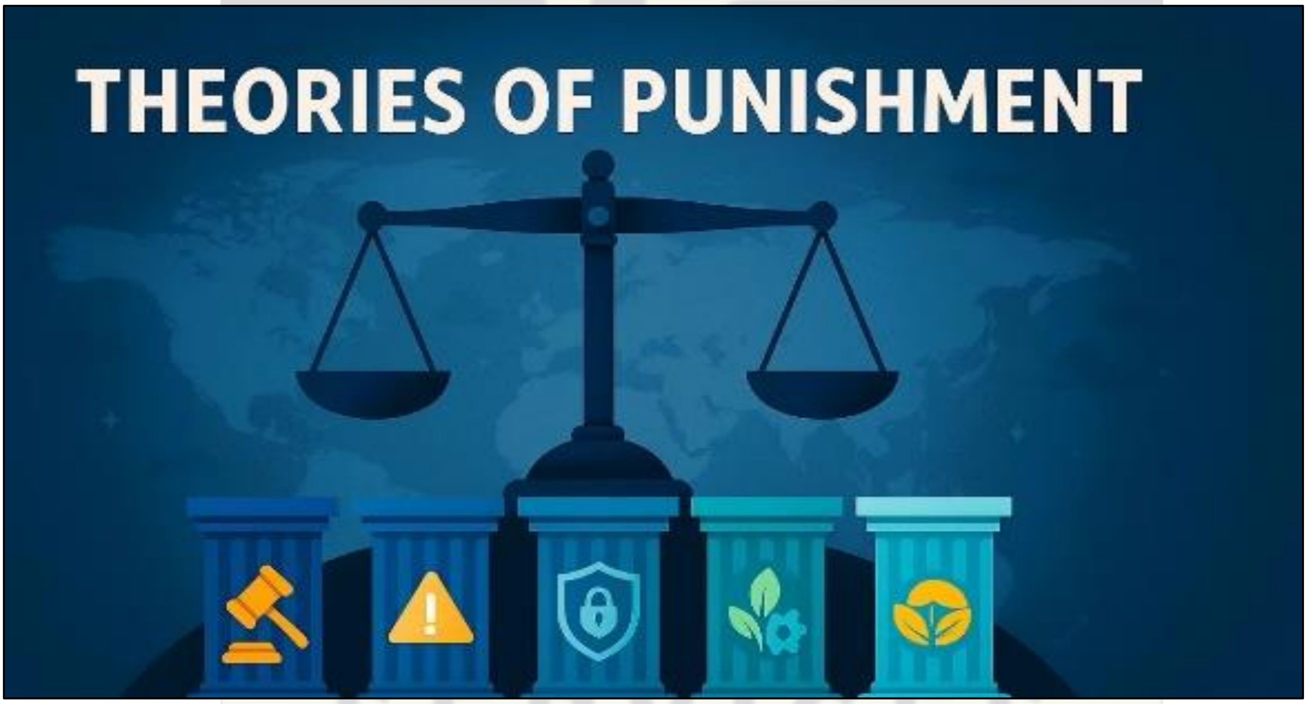

मुख्य बिन्दु:

'उचित दंड' का सिद्धांत:

- यह आपराधिक न्याय के भीतर एक ऐसे दर्शन को संदर्भित करता है जो सजा में आनुपातिकता के विचार पर जोर देता है। इसके अनुसार, व्यक्तियों को उनके द्वारा किए गए अपराधों के अनुपात में ही दंड मिलना चाहिए।
- इस सिद्धांत की दार्शनिक नींव प्रतिशोध पर आधारित है। इसका आशय यह कि अपराधी ने जो गलत किया है, उसके लिए वह नैतिक रूप से दंड का भागीदार है।
- यह न्याय व्यवस्था में अत्यधिक नरमी दिखाने की धारणा की प्रतिक्रिया है। यह सिद्धांत मानकीकृत दंड तथा जवाबदेही पर ज़ोर देता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

प्रधान-मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

चर्चा में क्यों?

- प्रधान-मंत्री ने पीएम सूर्य घर योजना के तहत 30 लाख घरों द्वारा रूफटॉप सोलर अपनाने की उपलब्धि की सराहना की।

मुख्य बिन्दु:

- यह विश्व की सबसे बड़ी घरेलू रूफटॉप सोलर पहल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

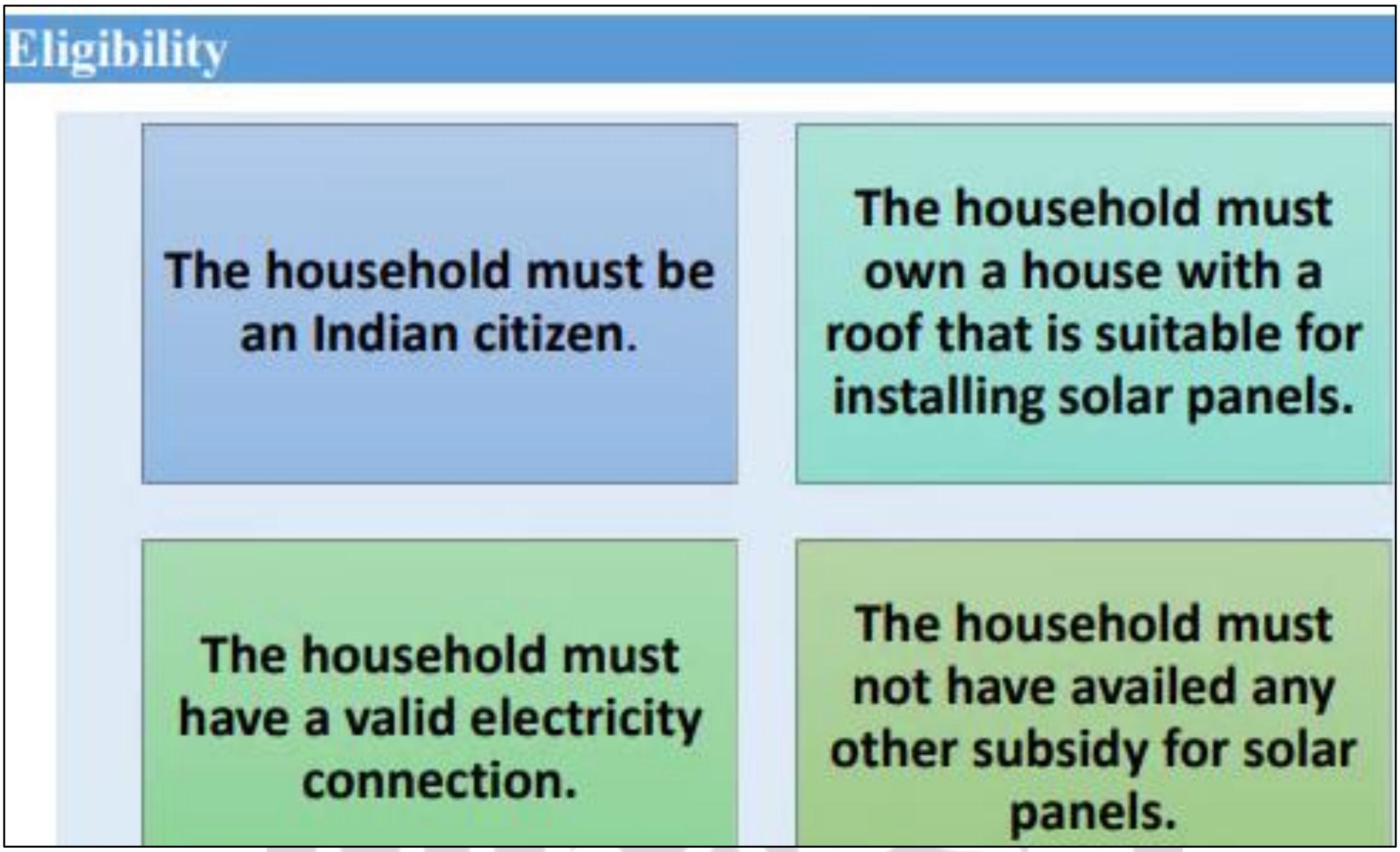

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

- **शुरुआत:** वर्ष 2024
- **उद्देश्य:** 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर लगाना और प्रति माह 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली आपूर्ति देना।
- **मंत्रालय:** केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
- **योजना-अवधि:** वित्त वर्ष 2026–27 तक।
- **सब्सिडी:** पात्र घरों (परिवारों) को 40% तक की सब्सिडी।
- सब्सिडी की राशि परिवार की औसत मासिक बिजली खपत और उसके अनुसार उपयुक्त रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता पर निर्भर करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत और फ्रांस: दोहरे कराधान परिहार अभिसमय (Double Taxation Avoidance Convention: DTAC)

चर्चा में क्यों?

- भारत और फ्रांस ने दोहरे कराधान परिहार अभिसमय (DTAC) में संशोधन के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए हैं। DTAC पर मूल रूप से 1992 में हस्ताक्षर किए गए थे।

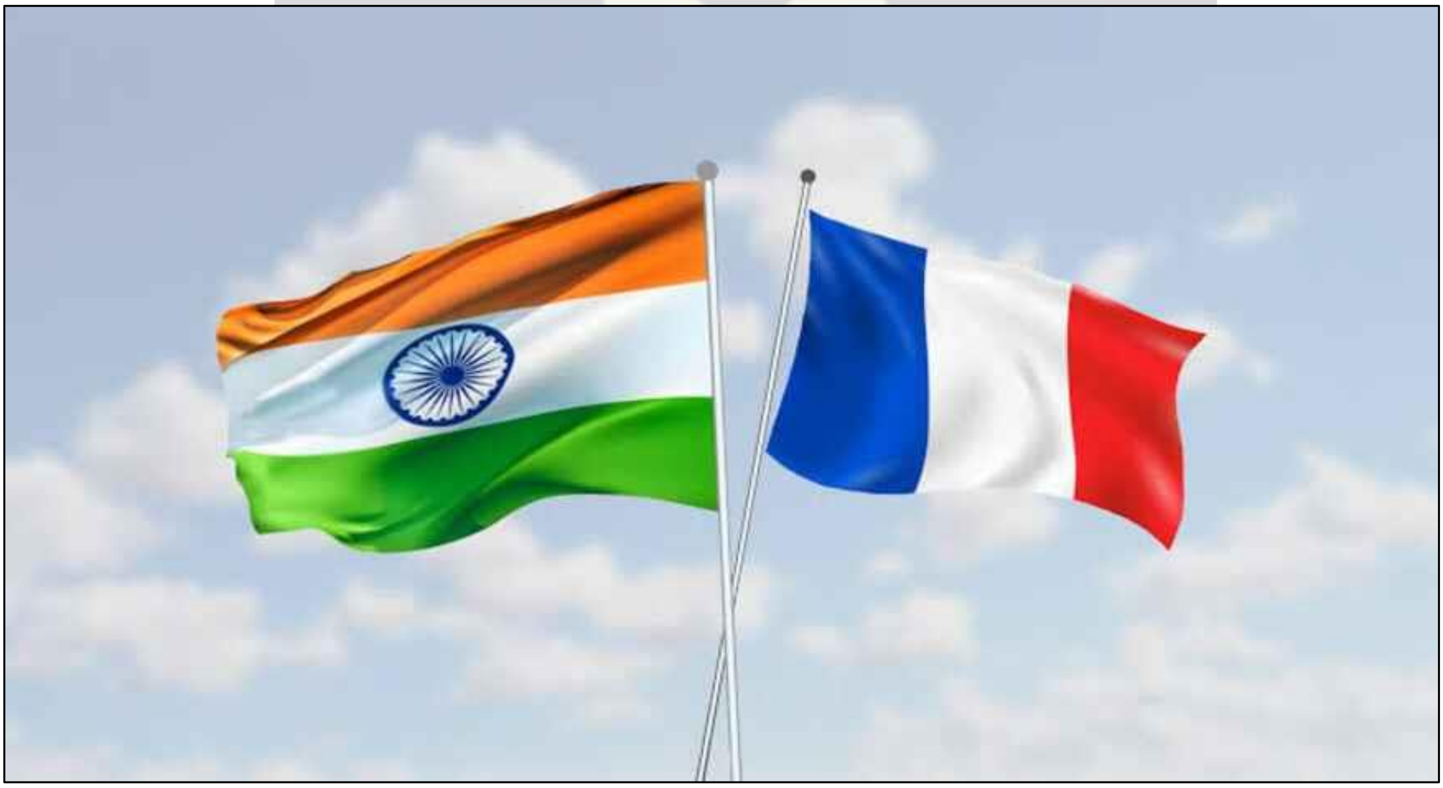

मुख्य बिन्दु:

- DTAC कुछ 'दोहरे कराधान परिहार समझौतों' (DTAAs) के लिए उपयोग किया जाने वाला औपचारिक नाम है।
- DTAA दो देशों के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता है, ताकि व्यक्तियों या व्यवसायों को उनकी आय पर दोहरे कराधान से बचाया जा सके।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रमुख संशोधन

- संधि लाभों में अस्पष्टता को समाप्त करने के लिए 'मोस्ट-फेवर्ड-नेशन' (MFN) क्लॉज को हटा दिया गया है।
- लाभ स्थानांतरण को रोकने के लिए 'आधार क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण' (BEPS) बहुपक्षीय साधन (MLI) के प्रावधानों को शामिल किया गया है।

मोस्ट-फेवर्ड-नेशन (MFN)

- यह विश्व व्यापार संगठन (WTO) का एक मौलिक सिद्धांत है।
- यह सुनिश्चित करता है कि देश अपने व्यापारिक भागीदारों के बीच भेदभाव न करें।
- यदि कोई WTO सदस्य किसी एक देश को कम टैरिफ जैसी अनुकूल व्यापारिक शर्तें प्रदान करता है, तो उसे वही लाभ अन्य सभी WTO सदस्यों को भी देने होंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR